जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय

20 जुलाई 2020

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के आर्किटेक्चर एंड एकैस्टिक विभाग ने बाल केंद्रित डिजाइनों पर ऑनलाइन वर्कशाप का आयोजन किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के आर्किटेक्चर एंड एकैस्टिक विभाग ने 4 से 18 जुलाई तक दो सप्ताह का 'कल्चर्स ऑफ कंस्ट्रक्शन - एन अप्रोच टू हैंडमेड आर्किटेक्चर, एक्स्प्लोरिंग चाइल्ड सेन्ट्रिक डिज़ाइन' पर ऑनलाइन वर्कशाप का आयोजन किया। इसे प्रसिद्ध वास्तुकार पीयूष सेखसरिया ने संचालित और जामिया के आर्किटेक्चर विभाग के सहायक प्रोफेसर इक़दार आलम ने सह-संचालित किया।

पीयूष सेखसरिया एक वास्तुकार हैं, जिन्होंने फ्रांस के सीआरएटी टेरे से अर्थ आर्किटेक्चर में मास्टरर्स और पेरिस में सोरबोन से भूगोल में एम.फिल किया। वर्तमान में वह विश्व बैंक के भारत कार्यालय के साथ आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ के रूप में कार्यरत हैं।

वर्कशाप के लिए वास्तुकला, सिविल इंजीनियरिंग, भू-तकनीकी इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक के संकायों के 90 से अधिक छात्रों ने अपने पंजीकरण कराया था।

कार्यशाला का उद्घाटन 4 जुलाई 2020 को जामिया की आर्किटेक्चर एंड एकॉस्टिक फैकल्टी की डीन प्रोफ़ेसर हिना ज़िया और आर्किटेक्चर विभाग के प्रमुख एसएम अख्तर की उपस्थिति में हुआ।

अपने उद्घाटन संबोधन में प्रो हिना ज़िया ने हस्तनिर्मित वास्तुकला के महत्व और प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित किया और बताया कि किस तरह आधुनिक सामग्रियों के आने से यह लुप्त हो रहा है।

प्रो एसएम अख्तर ने इस वर्कशाप के महत्व को रेखांकित करते हुए देश भर के विभिन्न क्षेत्रों के उदाहरणों के हवाले से बताया कि कैसे संस्कृति वास्तुकला को प्रभावित करती है और कैसे इसकी जड़ें क्षेत्र विशेष से जुड़ी होती हैं।

यह वर्कशाप छत्तीसगढ़ के आदिवासी ब्लॉकों में क्रेच कार्यक्रम-फुलवारी- में छोटे बच्चों के साथ काम करने के दौरान, पीयूष के अनुभवों के इर्द-गिर्द रही।

फुलवारी, छत्तीसगढ़ सरकार का क्रेच प्रोग्राम है, जो वहां के बच्चों के कुपोषण की समस्या को दूर करने पर काम कर रहा है। राज्य स्वास्थ्य संसाधन केंद्र द्वारा संचालित इस प्रोग्राम के तहत राज्य भर के 85 आदिवासी ब्लॉकों में लगभग 3000 ऐसे क्रेच हैं। वर्कशाप में बाल-अनुकूल डिजाइनों की अवधारणाओं पर खास ध्यान दिया गया ।

पूरी चर्चा हस्तनिर्मित वास्तुकला, बालकों को प्रभावित करने वाले डिजाइनों, निर्माण की संस्कृतियों आदि पर केंद्रित रही। एक सत्र में छत्तीसगढ़ के राज्य स्वास्थ्य संसाधन केंद्र के कार्यकारी निदेशक डॉ समीर गर्ग

ने भी संबोधित किया। उन्होंने सामुदायिक भागीदारी और स्वास्थ्य प्रबंधन की दिशा में फुलवारी परियोजना के योगदान का ज़िक्र किया।

छात्रों को एंथ्रोपोमेट्रिक्स, बाल विकास, कुपोषण, हस्तनिर्मित वास्तुकला आदि से परिचित कराया गया।

वर्कशाप का समापन 18 जुलाई, 2020 को हुआ। कार्यशाला में निकले निष्कर्षों को प्रकाशित करने के लिए एक मोनोग्राफ की योजना बनाई जा रही है।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक